Patrika (Indore), 19th December 2025, Front Page-01 (Page- 09)

आइआइटी इंदौर

केमिकल प्रोसेस डिजाइन एंड इंटेलिजेंस में एमटेक कोर्स शुरू होंगे

इंडस्ट्री फोकस्ड कोर्स खुलेंगे, पेशेवरों के लिए भी प्रोग्राम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर अगले शैक्षणिक सत्र से केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में उच्च शिक्षा के नए अवसर शुरू करने जा रहा है। संस्थान में केमिकल प्रोसेस डिजाइन एंड इंटेलिजेंस विषय में एमटेक कोर्स शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही उद्योग में कार्यरत पेशेवरों के लिए सर्टिफिकेशन और एग्जीक्यूटिव लेवल प्रोग्राम लाने की भी योजना है। इससे इंदौर और आसपास के विद्यार्थियों के साथ-साथ वर्किंग प्रोफेशनल्स को बड़ी राहत मिलेगी।

अब तक इस तरह के विशेषीकृत पीजी कोर्स के लिए विद्यार्थियों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता था। महानगरों में पढ़ाई और रहने का खर्च अधिक होने के कारण कई छात्र आर्थिक या पारिवारिक वजहों से आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते थे। वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए तो नौकरी छोड़कर बाहर जाकर पढ़ना लगभग असंभव हो जाता था, जिससे पीजी शिक्षा का सपना अधूरा रह जाता था। फिलहाल आइआइटी इंदौर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक और पीएचडी प्रोग्राम संचालित हो रहे हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि नए पीजी और प्रोफेशनल कोर्स शुरू होने से विभाग का शैक्षणिक दायरा और मजबूत होगा। इससे छात्रों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा के साथ उद्योग से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

फिलहाल देश के चुनिंदा संस्थानों में ही यह कोर्स

केमिकल प्रोसेस डिजाइन एंड इंटेलिजेंस जैसे इंडस्ट्री-फोकस्ड एमटेक प्रोग्राम फिलहाल देश के कुछ चुनिंदा शीर्ष संस्थानों में ही संचालित हैं। आमतौर पर यह कोर्स आइआइटी बॉम्बे, आइआइटी मद्रास, आइआइटी दिल्ली जैसे संस्थानों में उपलब्ध है। मध्य प्रदेश, विशेषकर इंदौर जैसे उभरते शिक्षा केंद्र में अब तक इस तरह का विशेषीकृत एमटेक प्रोग्राम उपलब्ध नहीं था।

इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार होगा कोर्स

आइआइटी इंदौर में शुरू होने वाला यह एमटेक कोर्स आधुनिक केमिकल इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रोसेस डिजाइन, डेटा एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और इंटेलिजेंट सिस्टम्स जैसे विषयों पर विशेष फोकस रहेगा। इसके साथ ही संस्थान इंडस्ट्री में काम कर रहे प्रोफेशनल्स के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम और एग्जीक्यूटिव मास्टर प्रोग्राम शुरू करने पर भी विचार कर रहा है, ताकि नौकरी के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सके।